Part - 2
Sub – Hindi
Class – IX

(पत्र लेखन) अनौपचारिक पत्र (Informal Letters)

अंक योजना –

प्रारंभ एवं समापन की औपचारिकताएँ	–	1 अंक
विषय – सामग्री	–	3 अंक
भाषा की शुद्धता एंव प्रस्तुति	–	1 अंक

नोट *:– प्रश्न में 'पता' नहीं होने पर पते के स्थान पर 'परीक्षा भवन' तथा 'नाम' नहीं होने पर नाम के स्थान पर 'क. ख. ग.' लिखना चाहिए।*

(अनौपचारिक पत्र का प्रारूप)

1. अपने मित्र को 'स्वच्छता अभियान' का हिस्सा बनने के लिए निमंत्रण पत्र लिखिए।

उत्तर–

परीक्षा भवन,
मेरठ।

½ अंक — **दिनांक** 12 मार्च, 20XX

प्रिय मित्र,
सप्रेम नमस्कार!

आशा करता हूँ कि तुम सकुशल होगे। मैं यह पत्र 'स्वच्छ भारत अभियान' के संबंध में लिख रहा हूँ।
मित्र! मैं प्रधानमंत्री द्वारा चलाये गये स्वच्छता अभियान से बहुत प्रभावित हूँ। अपने आस–पास के परिवेश को सुंदर बनाने एवं स्वास्थ्य संबंधी परेशानीयों से बचने के लिए स्वच्छता अत्यंत आवश्यक है। मैं चाहता हूँ कि इस अभियान में अपने क्षेत्र के युवा बढ़–चढ़कर भाग लें और क्षेत्र को साफ़–सुथरा रखने में अपना योगदान दें। इस कड़ी में, मैं तुम्हें 'स्वच्छ भारत अभियान' का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित करता हूँ। इसे युवा संगठन के अध्यक्ष का नहीं, अपितु अपने मित्र का स्नेहशील निमंत्रण समझना।
मुझे आशा ही नहीं वरन् पूर्ण विश्वास है कि तुम इस निमंत्रण को स्वीकार करते हुए आगामी रविवार को इस अभियान का हिस्सा बनने के लिए संगठन के कार्यालय में अवश्य उपस्थित रहोगे।
घर पर सभी बड़ों को मेरा प्रणाम कहना।

3 अंक

½ अंक — तुम्हारा मित्र
क.ख.ग.

नोट :– सगे–संबंधियों, मित्रों, रिश्तेदारों, परिचितों आदि को लिखे गए पत्र 'अनौपचारिक पत्र' कहलाते हैं। इन्हें व्यक्तिगत पत्र भी कहा जाता है। इस प्रकार के पत्रों में व्यक्ति से संबंधित सुख–दुःख, हर्ष, उत्साह आदि का वर्णन किया जाता है। अनौपचारिक पत्रों की भाषा आत्मीय व हृदय को स्पर्श करने वाली होती है।

अनौपचारिक पत्रों में आने वाले संबोधन, अभिवादन तथा अभिनिवेदन

पत्र पाने वाले के साथ संबंध	**संबोधन**	**अभिवादन**	**अभिनिवेदन**
अपने से बड़े संबंधी (माता, पिता, बड़ा भाई, बड़ी बहन, शिक्षक इत्यादि)	पूजनीय(माता), पूजनीय, पूज्य (पिता), आदरणीय, आदरणीया (माता,बहन)	चरण–स्पर्श, सादर प्रणाम	आज्ञाकारी, स्नेहाकांक्षी प्यारा इत्यादि।
अपने से छोटे संबंधी (छोटा भाई, छोटी बहन, पुत्र, पुत्री, भतीजा, भतीजी इत्यादि	चिरंजीवी, प्रिय, केवल नाम	शुभाशीर्वाद, प्रसन्न रहो	शुभेच्छु, शुभकांक्षी हितैषी इत्यादि
मित्र, सहपाठी	प्रिय, मित्रवर, केवली नात	सप्रेम नमस्कार, नमस्ते	तुम्हारा सहृदय, मित्र
विदेशी पत्र–मित्र	प्रिय, मित्र	नमस्ते	आपका, आपका मित्र
अपरिचित पुरूष	महाशय, श्रीमान (नाम), महोदय	नमस्ते, नमस्कार	भवदीय, भवदीया, हितैषी
अपरिचित महिला	महाशय, श्रीमती (नाम), महोदया	नमस्ते, नमस्कार	भवदीय, हितैषी

प्रश्न :–

1. **छात्रावास की जीवन–शैली से अपनी माताजी को पत्र लिखकर परिचित कराएं।**
2. **अस्पताल में दाखिल हुए अपने किसी दुर्घटनाग्रस्त मित्र/सखी को सांत्वना देते हुए पत्र लिखिए।**
3. **साक्षरता अभियान में अपने योगदान का ज़िक्र करते हुए पिताजी को पत्र लिखिए।**
4. **राज्य स्तर की खेल प्रतियोगिता में प्रथम आने पर छोटी बहन को बधाई देते हुए पत्र लिखिए।**